JETIR.ORG ISSN: 2349-5162 | ESTD Year : 2014 | Monthly Issue

JOURNAL OF EMERGING TECHNOLOGIES AND INNOVATIVE RESEARCH (JETIR)

An International Scholarly Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

^^ चार वर्षीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम में अध्ययनरत् प्रशिक्षणार्थियों की सामाजिक बुद्धि, मानसिक स्वास्थ्य एवं शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन।**

डॉ. वंदना जैन
शोध निर्देशिका
महात्मा ज्योति राव फूले विश्वविद्यालय जयपुर

शैली शर्मा
शोधार्थी
महात्मा ज्योति राव फूले विश्वविद्यालय जयपुर

सारांश

मानसिक स्वास्थ्य का अर्थ दैनिक जीवन में भावनाओं, इच्छाओं, महत्त्वाकाँक्षाओं एवं आदर्शो में सन्तुलन बनाये रखने की योग्यता है। इसका अर्थ जीवन की वास्तविकताओं का सामना करने तथा उनको स्वीकार करने की योग्यता है। प्रस्तुत शोध के उद्देश्य शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम में अध्ययनरत् प्रशिक्षणार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का लिंग, सरकारी व निजी महाविद्यालय के आधार पर अध्ययन करना है। प्रस्तुत शोध कार्य में 600 प्रशिक्षणार्थियो का न्यादर्श के रूप में चयन किया गया है। दत्त संकलन हेतु अरूण कुमार सिंह एवं अल्पना सेन गुप्ता द्वारा निर्मित मानसिक स्वास्थ्य परीक्षण (MBH-SS) मानकीकृत उपकरण का प्रयोग किया गया है। दत्तों के विश्लेषण हेतु t-Test का प्रयोग किया गया है। निष्कर्ष में पाया गया कि चार वर्षीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के छात्र एवं छात्रा प्रशिक्षणार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया। सरकारी व निजी क्षेत्र के प्रशिक्षणार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य में अंतर नहीं पाया गया। सरकारी क्षेत्र के छात्र व छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य में सार्थक अंतर पाया पाया। निजी क्षेत्र के छात्र व छात्रा प्रशिक्षणार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य में सार्थक अंतर पाया गया है।

विशिष्ट शब्दः– चार वर्षीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम, प्रशिक्षणार्थी, मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि

प्रस्तावनाः–

शिक्षा केवल व्यक्तिगत विकास का साधन नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन और राष्ट्र की प्रगति का आधार भी है। कोठारी आयोग (1966) ने भी कहा थाः ^^किसी राष्ट्र का भाग्य उसकी कक्षा में बनता है।Þ यह कथन स्पष्ट करता है कि राष्ट्र की दिशा और दशा इस बात पर निर्भर करती है कि वहाँ की शिक्षा प्रणाली किस प्रकार की है और वह किस गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान कर रही है।

इस गुणात्मक सुधार को सुनिश्चित करने के लिए एनसीटीई, एनसीईआरटी, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, एससीईआरटी के साथ मिलकर शिक्षा विस्तार सेवा ने शिक्षक शिक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण कार्यक्रम तैयार करने के लिए अथक प्रयास किए। शिक्षक शिक्षा के क्षेत्र में गुणात्मक सुधार की आवश्यकता के कारण वैकल्पिक मॉडल सामने आए हैं जो संरचना और कार्य दोनों में भिन्न है। चार वर्षीय एकीकृत शिक्षक शिक्षा पाठ्यक्रम इस क्षेत्र में वैकल्पिक मॉडलों में से एक है।

कई लोगों का मानना था कि यह पाठ्यक्रम बी.ए. और बी.एड. पाठ्यक्रम का मिश्रण मात्र है। इस पाठ्यक्रम में बी.ए. और बी. एड. डिग्री के सभी विषय और सभी गतिविधियों एक साथ लायी गयी हैं। लेकिन ऐसा नहीं है। यह संरचना और कार्य दोनों में पूरी तरह से भिन्न है। यह पाठ्यक्रम माध्यमिक स्तर के शिक्षकों को तैयार करने के लिए है।

अध्ययन का औचित्य :–

यह एक सर्वमान्य तथ्य है इस दुनिया में कोई भी दो व्यक्ति एक जैसे नहीं होते। प्रत्येक व्यक्ति अपने साथी से कई मायनों में भिन्न होता है। आजकल, शिक्षक न केवल छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि के बारे में चिंतित है, बल्कि उनकी सामाजिक, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और मानसिक स्वास्थ्य और व्यक्तित्व के विकास में शामिल कई अन्य कारकों के बारे में भी चिंतित है। कुछ छात्र अपनी भावनात्मक बुद्धि, मानसिक स्वास्थ्य, शैक्षिक उपलब्धि और अच्छे व्यक्तित्व गुणों के कारण लोकप्रिय हो जाते हैं। शिक्षकों को ऐसे छात्र मिलते हैं जिनकी शैक्षणिक योग्यता औसत या औसत से ज्यादा होती है, फिर भी वे अपनी पढ़ाई में बहुत खराब प्रदर्शन करते हैं। कुछ छात्र अपने लक्ष्य तक पहुँच जाते हैं, लेकिन कई अपनी आकांक्षाओं को पूरा नहीं कर पाते। इसके कारण भावनात्मक बुद्धिमत्ता, सामाजिक बुद्धिमत्ता, मानसिक स्वास्थ्य या व्यक्तित्व का विघटन हो सकते हैं। उपर्युक्त समस्या को ध्यान में रखते हुए, प्रस्तुत शोध का विषय ^^चार वर्षीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम में अध्ययनरत् प्रशिक्षणार्थियों की सामाजिक बुद्धि, मानसिक स्वास्थ्य एवं शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन** है।

शोध के उद्देश्य:–

1. चार वर्षीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम में अध्ययनरत् प्रशिक्षणार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का अध्ययन करना।
2. चार वर्षीय शिक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम में अध्ययनरत् सरकारी एवं निजी क्षेत्र के प्रशिक्षणार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का अध्ययन करना।
3. चार वर्षीय शिक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम में अध्ययनरत् सरकारी क्षेत्र के छात्र व छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य का अध्ययन करना।
4. चार वर्षीय शिक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम में अध्ययनरत् निजी क्षेत्र के छात्र व छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य का अध्ययन करना।

शोध परिकल्पना:–

1. चार वर्षीय शिक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम में अध्ययनरत् छात्र व छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है।
2. चार वर्षीय शिक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम में अध्ययनरत् सरकारी एवं निजी क्षेत्र के प्रशिक्षणार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है।
3. चार वर्षीय शिक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम में अध्ययनरत् सरकारी क्षेत्र के छात्र व छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है।
4. चार वर्षीय शिक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम में अध्ययनरत् निजी क्षेत्र के छात्र व छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है।

शोध विधि :–प्रस्तुत शोध में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया है।

शोध का न्यादर्श :–प्रस्तुत शोध कार्य में 600 प्रशिक्षणार्थियो का न्यादर्श के रूप में चयन किया गया है।

शोध उपकरण:–

1. प्रस्तुत शोध कार्य में समस्या की प्रकृति के अनुरूप मानसिक स्वास्थ्य परीक्षण – अरूण कुमार सिंह एवं अल्पना सेन गुप्ता द्वारा निर्मित मानसिक स्वास्थ्य परीक्षण (MBH-SS) मानकीकृत उपकरण का प्रयोग किया गया है।

शोध में प्रयुक्त सांख्यिकी:–

प्रस्तुत शोध कार्य में प्रदत्त विश्लेषण हेतु सांख्यिकी के रूप में t-Test का प्रयोग किया गया है।

विश्लेषण एवं व्याख्याः–

परिकल्पना–1

चार वर्षीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के छात्र प्रशिक्षणार्थियों एवं छात्रा प्रशिक्षणार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

तालिका संख्या 1

समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	t-मूल्य	स्वीकृत/ अस्वीकृत
छात्र प्रशिक्षणार्थी	300	109.00	7.74	4.80	दोनों स्तरों पर अस्वीकृत
छात्रा प्रशिक्षणार्थी	300	106.14	8.01		

0.05 सार्थकता स्तर = 1.96 स्वतंत्रता का अंश = 598

0.01 सार्थकता स्तर = 2.58

तालिका संख्या 1 में चार वर्षीय शिक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम के छात्र प्रशिक्षणार्थियों तथा छात्रा प्रशिक्षणार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य से सम्बन्धित आँकड़े दिये गये है तालिका के अवलोकन से ज्ञात होता है कि स्वतंत्रता के अंश 598 पर टी–मान 4.80 प्राप्त हुआ है, जो कि 0.05 सार्थकता के स्तर पर टी–मान 1.96 तथा 0.01 सार्थकता के स्तर पर टी–मान 2.58 से अधिक है। अतः परिकल्पना दोनों स्तरों पर अस्वीकृत की जाती है।

परिकल्पना–2

चार वर्षीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम में अध्ययनरत् सरकारी व निजी क्षेत्र के प्रशिक्षणार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

तालिका संख्या 2

समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	t-मूल्य	स्वीकृत/ अस्वीकृत
सरकारी क्षेत्र की प्रशिक्षणार्थी	300	104.00	7.38	12.64	दोनों स्तरों पर अस्वीकृत
निजी क्षेत्र प्रशिक्षणार्थी	300	111.00	6.89		

0.05 सार्थकता स्तर = 1.96 स्वतंत्रता का अंश = 598

0.01 सार्थकता स्तर = 2.58

तालिका संख्या 2 में चार वर्षीय शिक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम के सरकारी एवं निजी क्षेत्र के प्रशिक्षणार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य से सम्बन्धित आँकड़े दिये गये है तालिका के अवलोकन से ज्ञात होता है कि स्वतंत्रता के अंश 598 पर टी–मान 12.64 प्राप्त हुआ है, जो कि 0.05 सार्थकता के स्तर पर टी–मान 1.96 तथा 0.01 सार्थकता के स्तर पर टी–मान 2.58 से अधिक है। अतः परिकल्पना दोनों स्तरों पर अस्वीकृत की जाती है।

परिकल्पना–3

चार वर्षीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम में अध्ययनरत् सरकारी क्षेत्र के छात्र व छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

तालिका संख्या 3

समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	t-मूल्य	स्वीकृत/ अस्वीकृत
छात्र प्रशिक्षणार्थी	150	105.00	5.66	2.04	दोनों स्तरों पर पर स्वीकृत
छात्रा प्रशिक्षणार्थी	150	103.00	8.70		

0.05 सार्थकता स्तर = 1.97 स्वतंत्रता का अंश = 298

0.01 सार्थकता स्तर = 2.59

तालिका संख्या 3 में चार वर्षीय शिक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम के सरकारी क्षेत्र के छात्र व छात्रा प्रशिक्षणार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य से सम्बन्धित आँकड़े दिये गये है तालिका के अवलोकन से ज्ञात होता है कि स्वतंत्रता के अंश 298 पर टी–मान 2.04 प्राप्त हुआ है, जो कि 0.05 सार्थकता के स्तर पर टी–मान 1.97 तथा 0.01 सार्थकता के स्तर पर टी–मान 2.59 से कम है। अतः परिकल्पना दोनों स्तरों पर स्वीकृत की जाती है।

परिकल्पना–4

चार वर्षीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम में अध्ययनरत् निजी क्षेत्र के छात्र व छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

तालिका संख्या 4

समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	t-मूल्य	स्वीकृत/ अस्वीकृत
छात्र प्रशिक्षणार्थी	150	106.00	5.67	2.34	दोनों स्तरों पर स्वीकृत
छात्रा प्रशिक्षणार्थी	150	104.00	8.74		

0.05 सार्थकता स्तर = 1.97 स्वतंत्रता का अंश = 298

0.01 सार्थकता स्तर = 2.59

तालिका संख्या 4 में चार वर्षीय शिक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम के सरकारी क्षेत्र के छात्र व छात्रा प्रशिक्षणार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य से सम्बन्धित आँकड़े दिये गये है तालिका के अवलोकन से ज्ञात होता है कि स्वतंत्रता के अंश 298 पर टी–मान 2.34 प्राप्त हुआ है, जो कि 0.05 सार्थकता के स्तर पर टी–मान 1.97 तथा 0.01 सार्थकता के स्तर पर टी–मान 2.59 से कम है। अतः परिकल्पना दोनों स्तरों पर स्वीकृत की जाती है।

निष्कर्ष :–

1. चार वर्षीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के छात्र प्रशिक्षणार्थियों एवं छात्रा प्रशिक्षणार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य में सार्थक अन्तर पाया गया है।
2. चार वर्षीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम में अध्ययनरत् सरकारी व निजी क्षेत्र के प्रशिक्षणार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य में सार्थक अन्तर पाया गया है।
3. चार वर्षीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम में अध्ययनरत् सरकारी क्षेत्र के छात्र व छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया है।
4. चार वर्षीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम में अध्ययनरत् निजी क्षेत्र के छात्र व छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. अस्थाना , विपिन, (2009): मनोविज्ञान और शिक्षा मे मापन एवं मूल्यांकन, वाराणासी : विजय प्रकाशन।
2. भास्करा, राव, डी. टीचर एजूकेशनल इन इण्डिया, डिस्कवरी पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली (1998)
3. डी. गोलमेन ; सोशल इन्टेलीजेन्स, न्यूयॉक, बनताम डैल,
4. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसीप्लनरी रिसर्च इन आर्ट्स साइंस एण्ड टेक्नॉलोजी (JHARST) वॉल्यू. 2, इश्यू–3, मार्च 2024
5. जॉन्स एण्ड डे ; डिस्किमिनेशन ऑफ टू आस्पेट्स ऑफ कॉगनेटिव – सोशल इन्टेलीजेन्स फ्रॉम एकेडमिक इन्टेलीजेन्स, जर्नल ऑफ एजूकेशनल सायकॉलोजी, 89
6. के. सुरेश, सोशल इन्टेलीजेन्स ऑफ स्टूडेन्ट्स टीचर्स, डिस्कवरी पब्लिशिंग हाउस, 1 एडीशन, 2009, नई दिल्ली।
7. मंगल, एस. के. एडवांस एजूकेशनल सायकॉलोजी, प्रिंटिस हॉल, II एडीशन, 2005
8. रिसर्च ऑन ह्यूमनिटिज् एण्ड सोशल साइंस (ऑनलाईन), वॉल्यू. 6, नं. 7, 2016
9. सॉलो, एच.ए. ; सोशल इन्टेलीजेन्स : एवीडेन्स फॉर, मल्टीडिसीप्लनरी एण्ड कंस्ट्रक्ट इनडिपेन्डेंस, जर्नल ऑफ एजूकेशनल सायकॉलोजी
10. स्कॉलर्स जर्नल अ मल्टीडिसीप्लनरी पी.आर. रिव्यूड, ऑवर एक्सेस जर्नल, वॉल्यू. 5, दिसम्बर, 2022
11. दी इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इण्डियन सायकॉलोनी वाल्यू. 4, इश्यू–1, अक्टूबर, दिसम्बर, 2016
12. कर लिंगर, एफ.एन. (1973), फाउण्डेशन ऑफ व्हेवियअरल रिसर्च (दूसरा संस्करण), न्यू योर्क
13. कोठारी, सी.आर., (2004), रिसर्च मेथोडोलॉजीः मेथड्स एण्ड टेकनीक्स, न्यू दिल्ली, न्यू ऐज इंटरनेशनल प्रा.लि.